बायफ डेवलपमेन्ट रिसर्च फाउन्डेशन,उदयपुर

बायफ पशुधन विकास केन्द्र परियोजना पूर्ण रिपोर्ट

पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम

बायफ डेवलपमेन्ट रिसर्च फाउन्डेशन
बायफ भवन, हिरण मंगरी,सेक्टर –14,उदयपुर. फोन/फेक्स–294.2640133

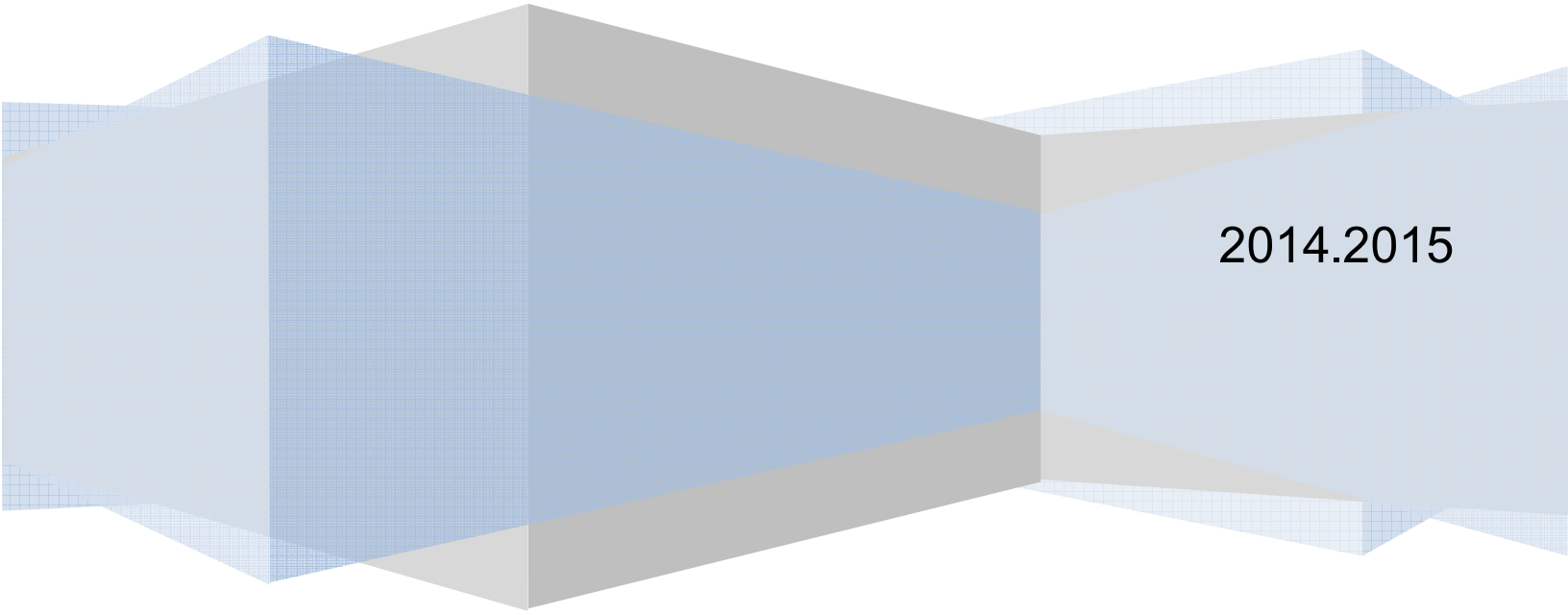

2014.2015

परियोजना का संक्षिप्त परिचय

1	परियोजना का नाम	:	पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम
2	संदर्भ नंबर	:	03-09-2004
3	परियोजना प्रकार	:	पशु पालन
4	परियोजना की अवधि	:	2005-06-12 (7 years)
5	रिपोर्ट प्रस्तुत करनेवाली संस्था	:	बायफ डेवलपमेन्ट रिसर्च फाउन्डेशन/रिडमा
6	रिपोर्ट प्राप्त करनेवाली संस्था	:	मुख्य कार्यक्रम अधिकारी जिला परिषद, सिरोही
7	परियोजना का क्षैत्र	:	36 गाँव आबुरोड,रेवदर व पीन्डवाडा पंचायत समिती के गाँव
8	लाभार्थी संख्या	:	4500 पशुपालक परिवार , 1250 बी.पी.एल. प्शुपालक परिवार
9	परियोजना की लागत	:	रू.23.76 लाख.
10	परियोजना का उद्देश्य	:	दुग्ध उत्पादन द्वारा पशुपालक की आय मे वृद्वि करना
11	परियोजना की मुख्य गतिविधिर्या	:	1. कृत्रिम गर्भाधान 2 हरा चारा उत्पादन कार्यक्रम 3. टीका करण एंव कृमिनाशक दवाई देना 4. किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

बायफ संस्था की स्थापना वर्ष 24 अगसत 1967 मे उरूली कांचन जिले पूने महाराष्ट मे स्वर्गीय डॉ.मणीभाई देसाई द्वारा की गई थी। वर्तमान में बायफ संस्था भारत देश के 16 राज्यों में ग्रामीण समुदाय की आजिवीका सृदढ करने का कार्य पशु नस्ल सुघार, उधानिकी,जल ग्रहण,सामुदायिक चरागाह विकास,महिला विकास,बकरी विकास एंव कृषि उत्पाद विपणन द्वारा किया जा रहा है।

राजस्थान राज्य भौगोलिक द्रष्टि से देश का सब से बडा. राज्य है । यहा के लोंगो का मुख्य व्यवसाय कृषि है। बारिश की अनिच्चीतता चलते हर तीसरे वर्ष अकाल की परिस्थिीती निर्माण होने से कृषि के साथ सहायक व्यवसाय के रूप मे पशुपालन का व्यवसाय आजीविका के लिये उभरकर आया हे। वर्ष 1978 मे राज्य सरकार के कृषि एंव सहकारी मंत्री श्री देवेन्द्र सिंह बडलियास ने महाराष्ट्र मे सहकारीता का कार्य देखने हेतू भ्रमण किया था उस समय बायफ संस्था द्वारा महाराष्ट्र राज्य मे पशुपालन मे नस्ल सुधार से किसानो की आजिनीका निर्माण हेतू किया गया कार्य देखा। उन्होंने बायफ संस्था को राजस्थान मे काय्र करने हेतू आंमत्रित किया।

बायफ संस्था ने 1979 नंवम्बर मे राजस्थान सरकार के आमंत्रण को स्वीकार करते हुये राजस्थान डेयरी कोओपरेटीव के सौजन्य से भीलवाडा व कोटा जिले में 8 पशुनस्ल सुघार केन्द्र पांरभ किये। पशुनस्ल सुघार के अच्छे परिणाम को देखते हुये राज्य सरकार ने बायफ के कार्यक्रम को आई.आर.डी.पी./एस.जी.एस.वाय योजना अंतर्गत इस कार्यक्रम को चलाने हेतू अनुबन्घ किया ।अभी बायफ संस्था द्वारा राजस्थान के 19 जिले में किसानो की आय वृद्वि हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे है ।

- पशु नस्ल सुघार कार्यक्रम
- जल ग्रहण कार्यक्रम
- जन जाति परिवारों मे उधानिकी परियोजना जनजाति विकास विभाग एंव नाबार्ड के वितीय सहयोग से
- चरागाह विकास काय्रक्रम
- बकरी विकास कार्यक्रम
- मरूभुमि विकास कार्यक्रम
- महिला विकास कार्यक्रम

सिरोही जिले में बायफ संस्था द्वारा जिला ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ, जिला परिषद के वितीय सहयोग से 03 गोपाल केन्द्र संचालित किये जा रहे थे। जिसका परियोजना पूर्ण रिपोर्ट आपकी और पेषित की जा रही है ।

परियोजना का नाम :–पशु नस्ल सुघार काय्रक्रम

परियोजना में वितीय सहयोग संस्था का नामः– जिला ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ, जिला परिषद,सिरोही

परियोजना अवघि :– 1.08.2005 से 31.07.2012

- **परियोजना में उल्लेखित गतिविधिर्या :–**
- गाय/भैंसो मे कृत्रिम गर्भाघान से नस्ल सुघार
- किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम
- हरा चारा उत्पादन कार्यक्रम
- टीका करण एंव कृमिनाशक दवाई काय्रक्रम
- बदियाकरण कार्यक्रम
- पशु प्रंबघन के लिये सलाहकारी

➢ **गाय/भैंसो मे कृत्रिम गर्भाघान** :–उक्त केन्द्रों द्वारा केन्द्र मुख्यालय से 8 किलोमीटर के परीधि क्षेत्र में आनेवाले गॉवो में पशुपालकों को अपने गायों/भेंसो के लिए कृत्रिम गर्भाधान की सेवा बायफ संस्था व जिला परिषद सिरोही के मध्य किये गये अनुबंध में निर्धारित तय की गई राशी लेकर घर पहुंच दी जाती है। कत्रिम गर्भाधान किये गये पशुओं का तीन माह बाद गर्भ परीक्षण नि :शुल्क किया जाता है, एवं ग्याभन दर्शाये गये पशु ब्याने पर वत्स उत्पादन रिपोर्ट ली जाती है । साथ में समय – समय पर किसानों को पशु प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया जाता है। गायों में नस्ल सुधार हेतु एच.एफ., जर्सी,थरपारकर तथा भैंसों में मुराह प्रजाति का वीर्य उपयोग में लिया जाता है।

➢ पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम

गणेश / चमना भील गांव–पांडरी च 4549

ताराजी / जीवाजी गरासिया, गांव–मुछरला च 1090

समा चेला बागरी गांव–पांडुरी, च. 4544

वरसिंह श्रवण सिंह गुर्जर गांव–किवरली च 4443

पत्नि सैतानसिंह प्रेमसिंह राजपुत, गांव–आवली, च 1155

नारायणसिंह / जामतसिंह राजपुत, गांव–आवली, च

➢ **<u>हरा चारा उत्पादन कार्यक्रमः–</u>** इस के साथ सभी केन्द्रो पर प्रति वर्ष 25 चयनित बपी.एल. परिवारो में हरा चारा उत्पादन कार्यक्रम के लिये रिजका या बरसीम का बीज,खाद एंव प्रशिक्षण दिया जाता है व पशु से अच्छा दुग्ध उत्पादन प्राप्त करने हेतू हरा चारा का क्या महत्व है समझाया जाता है। अभी कत कुल 525 परिवारो को लाभान्वीत किया गया है ।

पत्नी आणदाराम/सवाजी गरासिया गावं–आवली, च

नारायणसिंह/जामतसिंह राजपुत, गांव–आवली, च

सांखला/अन्जना मेघवाल, गांव–छापोल, च 3521

हंसबाई पत्नी भंवरसिंह राजपुत, गावं–डबानी, च 3468

➢ **टीका करण एंव कृमिनाशक दवाई कार्यक्रमः— उन्नत नस्ल** के पशु से अपेक्षित दुग्ध उत्पादन लेने हेतू उसका सही रख रखाव यानी समय पर टीकाकरण एंव कृमिनाशक दवाई देना आवश्यक है । किसान उसका महत्व सतझे इस उद्वेश्य से प्रति केन्द्र निर्देशन के तोर पर प्रति वर्ष प्रति केन्द्र चयनित बी.पी.एल. परिवारो के 50 पशुओं को सुगल्या रेाग का टीकाकरण व वर्ष में 2 बार कृमिनाशक दवाई पिलाना। कुल 1050 पशु ओं को इस कार्यक्रम से टीकाकरण एंव कृमिनाशक इवाई दी गई है ।

➢ **किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम :— उन्नत नस्ल** के पशु से अपेक्षित दुग्ध उत्पादन लेने हेतू उसका सही रख रखाव करना बहुंत जरूरी है । इस उद्वेश्य की प्राप्ती हेतू प्रत्येक केन्द्र पर प्रति वर्ष 25 चयनित बपी.एल. परिवार के किसानो को 3 दिवसीय प्शु प्रंबघन पर प्रशिक्षण दिया जाता है । कुल 525 चयनित बपी.एल. परिवार के किसानो को लाभान्वीत किया गया है ।

पशुधन विकास केन्द के बारे मे जानकारी :— उक्त केन्द्रो की अवधि 7 वर्ष की रहती है । जिला परिषद से प्रति केन्द्र हेतु स्थायी राशि 115000/— एवं संचालन राशि प्रथम वर्ष हेतु 96000/— प्रति वर्ष एक केन्द्र की राशि भुगतान की जाती है । एवं अन्य छः वर्ष के लिये 5 प्रतिषत वृद्धि दर से भुगतान किया जाता है उक्त केन्द्रों रिडमा संस्था के कार्यकर्त्ता नियुक्त किये जाते है। उनके द्वारा केन्द्र मुख्यालय से 15 किलोमीटर के परीधि क्षेत्र में आनेवाले गॉवो में पशुपालकों को अपने गायों/भेंसो के लिए कृत्रिम गर्भाधान की सेवा बायफ संस्था व जिला परिषद

सिरोही के मध्य किये गये अनुबंध में निर्धारित तय की गई राशी लेकर घर पहुंच दी जाती है। कत्रिम गर्भाधान किये गये पशुओं का तीन माह बाद गर्भ परीक्षण निःशुल्क किया जाता है, एवं ग्याभन दर्शाये गये पशु ब्याने पर वत्स उत्पादन रिपोर्ट ली जाती है । साथ में समय – समय पर किसानों को पशु प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया जाता है। गायों में नस्ल सुधार हेतु एच.एफ., जर्सी एवं तथा भैंसों में मुर्रा प्रजाति का वीर्य उपयोग में लिया जाता है।

परियोजना का क्षैत्र :–केन्द्रो का कार्य क्षैत्र सिरोही जिले निम्मन पंचायत समिती के गॉव थे जिसकी जानकारी निम्मन टेबल मे दी गई है ।

क्रमॉक	केन्द्र का नाम	केन्द्र प्रभारी का नाम	केन्द्र का पता	कार्यक्षैत्र के गॉव
1	अजारी	श्री दलपत भाटी	बायफ पशुघन विकास केन्द्र , अजारी मु.पो. अजारी तहसील– पीन्डवाडा जिला–सिरोही	अजारी,वसाव,घनावा,का लेशनगर,फूटेला,चारन फली,बसन्तगढ,चावरली, जानापुर,खूजारा
2	किवरली	श्री मेहुलकुमार रावल	बायफ पशुघन विकास केन्द्र , किवरली मु.पो. किवरली तहसील– आबूरोडा जिला–सिरोही	डबानी,थाल,डाग,घानपुर ,सपोट,रसावा,सेलवाडा. ,नाडोल,करोटी,राजगढ, घारली,लीलोडावास
3	डबानी	श्री हनीफ मोंहमद रमजानी	बायफ पशुघन विकास केन्द्र , डबानी मु.पो. डबानी तहसील– रेवदर जिला–सिरोही	नडूनी,करोली,आमथला, भूजेलावाडा,देलदार,भार जा,देरना, वोर,मोरथला

परियोजना के दौरान संपादित गतिविधियों की प्रगति :—केन्द्रो की स्थापना दिनांक 01.08.2005 से 31.07.2012। वर्षवार प्रगति निम्मन प्रकार है ।

क्रमांक	वर्ष	सफल गर्भाधान लक्ष्य	कृत्रिम गर्भाधान उपलब्धी	सफल गर्भाधान उपलब्धी	वत्स उत्पादन नर	वत्स उत्पादन मादा
1	01.08.2005 से 31.07.2006	225	1336(332)	418 (128)	0	0
2	01.08.2006 से 31.07.2007	300	1547(500)	672 (216)	250 (71)	221(62)
3	01.08.2007 से 31.07.2008	375	1839(608)	814 (301)	270 (89)	246(93)
4	01.08.2008 से 31.07.2009	465	1859(542)	1032 (295)	406 (142)	405(144)
5	01.08.2009 से 31.07.2010	570	2401(741)	1337 (477)	413 (135)	389(118)
6	01.08.2010 से 31.07.2011	705	2236(616)	1370 (414)	603 (184)	553(176)
7	01.08.2011 से 31.07.2012	840	2311(591)	1255 (325)	516 (148)	525(153)
	कुल	3480	13529(3930)	6898 (2156)	2480 (772)	2358(752)
			प्रति ए.आय. कोस्ट रू.176.00	प्रति सुफल गर्भाधान कोस्ट रू.344.00	प्रति वत्स कोस्ट रू.491.00	प्रति मादा कोस्ट रू. 1008.00

परियोजना से लाभान्वित परिवारः—इस कार्यक्रम के द्वारा कुल 5411 परिवारो को लाभान्वीत किया गया है । केन्द्र द्वारा पैदा हुये कुल 2358 मादा वत्स प्रथम 5 वर्ष मे पैदा हुये मादा वत्स मे से 630 मादा दुग्ध उत्पादन मे आ गई है ।जिस के द्वारा प्रतिदिन 5040 लिटर दुग्ध प्राप्त हो रहा है । प्रतिदिन 126000 रू. की आय परिवारो में हो रही है । एंव 900 मादा ऐसेट के रूप मे किसानो के पास है जिस की एवरेज 4000 प्रति मादा दर से 3600000 (छत्तीस लाख रू.) संपति किसान परिवारो मे तैयार हुई है जो भविष्य मे करीब जिले के 5400 परिवारो मे स्थायी आय का साघन बनेगा।

परियोजना का स्थायीत्वः— किसानो के यहा पेदा हुये उन्नत नस्ल के ग्याभिन करने हेतु नस्ल सुधार कार्य कैसे चालू रखा जायेगा । इस के लिये केन्द पर कार्य करनवाले कर्मचारी स्वेच्छा से स्थायी नौकरी से त्याग पत्र देकर उस केन्द्र को स्वनिर्भर केन्द्र के रूपमे संचालित कर रहे है । परियोजना पूर्ण होने पर संस्था द्वारा ए.आय. कार्यकर्ता को तरल नत्रजन एंव सीमेन की आपूर्ती निर्घारीत दर पर सशुल्क उपलब्ध करायी जारही है । जिस से ए.आय. कार्यकर्ता को स्थायी रोजगार प्राप्त हो रहा है व किसानो को अपने पशुओं को अच्छी गुणवता वाले वीर्य से ग्याभिन कराने की सुविघा धर पहुच उपलब्ध होगी।

हम जिला परिषद सिरोही का आभार व्यक्त करते है कि जिन्होने हमारी संस्था को वितीय सहयोग प्रदान करके किसान भाइयों की आजीविका उपलब्ध कराने का अवसर प्रदान किया।

वितीय विवरण

क्रंमांक	वर्ष	आंवटित राशी रू.प्रति केन्द्र	कुल राशी रू.	राशी समायोजना
1	संस्थापन राशी	115000	345000	दि.10.06.06 यू.सी.नं.102
2	बडीजो केस्ट्रेटर एंव प्रथम वर्ष व द्वितीय किश्त	103000	309000	दि.16.08. 2006 यू.सी.नं. 101
3	द्वितीय वर्ष की प्रथम किश्त	40652.50	121957	दि.01.01.07 यू.सी.नं.103
4	द्वितीय वर्ष की द्वितीय किश्त	40625.50	121957	दि.11.10.07 यू.सी.नं.105
5	तृतीय वर्ष की प्रथम किश्त	43195	129585	दि.31.12.07 यू.सी.नं.106
6	तृतीय वर्ष की द्वितीय किश्त	43195	129585	दि.31.07.08 यू.सी.नं.107
7	चतुर्थ वर्ष की प्रथम किश्त	45855	137565	दि.31.01. 2009 यू.सी. नं.108
8	चतुर्थ वर्ष की द्वितीय किश्त	45855	137565	दि.31.07. 2009 यू.सी. नं.109
9	पंचम वर्ष की प्रथम किश्त	40652	121957	दि.31.01. 2010 यू.सी. नं.110
10	पंचम वर्ष की प्रथम किश्त की एरियर राशी	23958	23958	दि.31.03. 2010 यू.सी. नं.111
11	पंचम वर्ष की द्वितीय किश्त	48647	145942	दि.31.07. 2010 यू.सी. नं.113
12	छट्ठे वर्ष की प्रथम किश्त	51580	154740	दि.31.01.

				2011 यू.सी. नं.114
13	छट्ठे वर्ष की द्वितीय किश्त	51580	154740	दि.31.07. 2011 यू.सी. नं.115
14	सातवे वर्ष की प्रथम किश्त	51759	171477	दि.31.01. 2012 यू.सी. नं.116
15	सातवे वर्ष की द्वितीय किश्त	51759	171477	दि.10.06. 2013 यू.सी. नं.116
	कुल	498035	2376505	